University in News on 31 May 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च के लिए लविवि को पांच करोड़ की ग्रांट

माई सिटी रिपोर्टर

कैंसर के लिए नैनो ड्रग्स और जेनेटिक्स पर होगा काम

लखनऊ। लविवि को केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ बायो टेक्नोलॉजी (डीबीटी) की ओर से इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च के लिए पांच करोड़ की ग्रांट मिली है। विवि प्रशासन के अनुसार 'डीबीटी-बिल्डर यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ इंटर डिसिप्लिनरी लाइफ साइंस प्रोग्राम फॉर एडवांस रिसर्च एंड एजुकेशन' शोध परियोजना के तहत यह ग्रांट मिली है।

इसका मुख्य उद्देश्य मॉलिक्युलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स, एनवायरमेंटल साइंस तथा फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री में परास्नातक विषयों के शैक्षणिक उन्नयन व शोध तंत्र विकसित करना है। इस परियोजना में तीन अंतर विषय वैज्ञानिक समूह शामिल हैं, जिसमें जुलॉजी, बॉटनी व केमेस्ट्री विभाग मिलकर काम करेंगे। इसका कार्य क्षेत्र आणविक एवं मानव आनुवंशिकी, पर्यावरण और सतत कृषि जैव प्रौद्योगिकी तथा प्राकृतिक उत्पाद एवं स्टेरॉयडल केमिस्ट्री होगा।

प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर प्रो. मोनिशा बनर्जी ने बताया कि प्रोजेक्ट में मानव और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में योगदान के लिए आणविक आनुवंशिकी, पादप जैव प्रौद्योगिकी और औषधि विकास में विशेषज्ञता पर फोकस होगा।

प्रस्तावित अध्ययन में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले फ्लेवोनोइड्स, स्टेरॉयड और हेट्रोसायक्लिक डेरिवेटिव्स का उपयोग करके आनुवांशिक और एपिजेनेटिक संश्लेषण और एंटी कैंसर नैनो दवाओं की पहचान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन नैनो ड्रग्स का सर्वाइकल कैंसर सेल लाइनों पर कैंसर विरोधी गतिविधियों के लिए परीक्षण किया जाएगा और आनुवंशिक और एपिजेनेटिक विनियमन पर उनके प्रभाव का मूल्यांकन किया जाएगा। इसके अलावा जैविक रूप से संश्लेषित नैनो कणों और बैक्टीरिया को बढ़ावा देने वाले पौधों की वृद्धि को मिलाकर स्थायी कृषि सुधारों के लिए जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण लागू किया जाएगा।

इसका उद्देश्य पर्यावरण विज्ञान, फार्मास्युटिकल, आणविक एवं मानव आनुवंशिकी में स्नातकोत्तर शिक्षण को बढ़ावा देकर अंर्तविषयी अनुसंधान को मजबूत करना है। इसके साथ ही अंतर विभागीय शोध को प्रोत्साहित करने के लिए एमएससी, पीएचडी और पोस्ट डॉक्टोरल के लिए सेमिनार, प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करना भी है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च आज की मांग है। विवि इसे प्रोजेक्ट के द्वारा बेहतर परिणाम देने का प्रयास करेगा।

सुपर 30 कक्षाओं का कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा विभाग नेट-जेआरएफ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए सुपर 30 कक्षाओं का आयोजन 01 जून से शुरू किया जा रहा है। विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि इन कक्षाओं का टाइम टेबल सोमवार को जारी कर दिया गया है। जिसमें प्रतिदिन दो घंटे की क्लास होगी। पहली क्लास नेट के प्रथम पेपर की और दूसरी नेट के दूसरे पेपर जो कि कॉमर्स विषय से संबंधित है, उसकी चलेगी। प्रवेश परीक्षा के आधार पर चयनित छात्रों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। जिसके माध्यम से छात्रों को सभी सूचनाओं, शिक्षण सामग्री, नोट्स दी जाएगी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 4

एलयू को शोध के लिए मिले पांच करोड़

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 5 वर्षीय डीबीटी- यूनिवर्सिटी इंटरडिसिप्लिनरी लाइफ साइंस डिपार्टमेंट फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च कार्यक्रम के तहत पांच करोड़ वित्तीय सहायता मिली है। इसका मकसद मॉलिक्युलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स, एनवायरमेंटल साइंस तथा फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री में पीजी में शोध को बढ़ावा देना है। स्वीकृत प्रस्ताव में मानव और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में योगदान के लिए आणविक आनुवंशिकी, पादप जैव प्रौद्योगिकी और औषधि विकास में विशेषज्ञता शामिल है।

एलएलबी और बीए आनर्स रिजल्ट जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार देर रात कई परिणाम जारी किए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी ने बताया कि बीए आनर्स पांचवा सेमेस्टर, एलएलबी प्रथम सेमेस्टर, बीपीएड तृतीय सेमेस्टर का परिणाम जारी कर दिया। वेबसाइट पर परिणाम हैं। परीक्षा विभाग ने बीएससी तृतीय सेमेस्टर का परिणाम भी जारी किया था जिसे कुछ देर बाद हटा लिया गया।

नकलची पकड़े गए: एलयू की जारी वार्षिक परीक्षाओं में सोमवार को छह नकलची पकड़े गए। पहली पाली में सचल दल ने छह परीक्षार्थियों को अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए पकड़ा।

JAGRAN CITY PAGE III

शोध के लिए पांच करोड़ की ग्रांट स्वीकृत

जासं, लखनऊ : भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने लखनऊ विश्वविद्यालय को शोध के लिए पांच करोड़ की ग्रांट देने की स्वीकृति दी है। यह धनराशि विश्वविद्यालय को पांच वर्षीय इंटर डिसिप्लिनरी लाइफ साइंस प्रोग्राम फार एडवांस रिसर्च एंड एजुकेशन के लिए दी गई है।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस परियोजना का प्रमुख उद्देश्य मालिक्युलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स, एनवायरमेंटल साइंस तथा फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री में परास्नातक विषयों के शैक्षणिक उन्नयन एवं शोध विकसित करना है। इसमें तीन अंतर-विषय वैज्ञानिक समूह मालीकुलर एंड ह्यूमन जेनेटिक, पर्यावरण और सतत कृषि जैव प्रौद्योगिकी तथा प्राकृतिक उत्पाद एवं स्टेरॉयडल केमिस्ट्री शामिल है।

दवाओं के निर्माण की पहचान पर होगा कार्य : प्रस्तावित अध्ययन में एंटीकैंसर नैनो-दवाओं के निर्माण की पहचान करने सहित कई प्रमुख कार्य होंगे। इन नैनो-दवाओं का सर्वाइकल कैंसर सेल लाइनों पर कैंसर विरोधी गतिविधियों के लिए परीक्षण किया जाएगा। आनुवंशिक और एपिजेनेटिक विनियमन पर उनके प्रभाव का मूल्यांकन भी होगा। इसके अलावा, जैविक रूप से संश्लेषित नैनोकणों और बैक्टीरिया को बढ़ावा देने वाले पौधों की वृद्धि को मिलाकर स्थायी कृषि सुधारों के लिए जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण लागू किया जाएगा। अनुसंधान पद्धतियों पर अंतरविभागीय बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए एमएससी, पीएचडी आदि के लिए सेमिनार, प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। वित्तीय सहायता प्राप्त होने पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर प्रो. मोनिशा बनर्जी व अन्य सहयोगियों की सराहना एवं प्रशंसा की।

छात्र केंद्रित कार्यों का डीन तैयार करें प्रस्ताव : कुलपति

जासं, लखनऊ : डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में सोमवार को कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र की अध्यक्षता में नवनियुक्त डीन की बैठक हुई। बैठक में सभी डीन से आगामी तीन वर्षों की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। कुलपति ने सभी से कहा कि जो भी विभाग जिसे दिया गया है, वह उनका अध्ययन कर पुरानी योजनाओं की समीक्षा करें, जिससे कि पहले से चल रही अच्छे कार्यों को आगे भी जारी रखा जा सके। इसके अलावा अपने-अपने विभाग में विद्यार्थी, शिक्षक और परीक्षा केंद्रित क्या नया कर सकते हैं, इसका प्रस्ताव भी देने को कहा ताकि शैक्षणिक गतिविधि और तेज हो सके। बैठक में प्रतिकुलपति प्रो. मनीष गौड़, नवनियुक्त डीन, प्रो. राजीव कुमार, डा. अनुज शर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

कई पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम जारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के दिसंबर-2021 के नियमित व बैक पेपर परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। इनमें एमबीए (सीबीसीएस) में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन तीसरे सेमेस्टर, एमएससी न्यूट्रिशन तीसरा सेमेस्टर, एलएलबी इंटीग्रेटेड (इम्प्रूवमेंट, बैक पेपर), बीबीए टूरिज्म पांचवें सेमेस्टर, शास्त्री तीसरे सेमेस्टर, बीएससी होम साइंस तीसरे सेमेस्टर, एमकाम कामर्स तीसरे सेमेस्टर के परिणाम शामिल हैं। वेबसाइट पर इसे देख सकते हैं।

बीए आनर्स हिंदी के परिणाम जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को बीए आनर्स हिंदी पांचवें सेमेस्टर, एलएलबी प्रथम सेमेस्टर (बैक पेपर) और बीपीएड तृतीय सेमेस्टर दिसंबर-2021 के परिणाम जारी कर दिए हैं। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से इसे देख सकते हैं।

तीन खिलाड़ियों को पदक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में पदक जीते हैं। 24 से 26 मई तक जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रतियोगिता में लवि के बीए छठे सेमेस्टर के छात्र आकाश सोनकर ने 50 से 55 किग्रा भार में रजत पदक जीता। बीए छठे सेमेस्टर की छात्रा प्राची वर्मा ने 55 से 60 किलोग्राम भार और बीकाम द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा जयश्री पांडेय ने अंडर 45 किलोग्राम में कांस्य पदक हासिल किया है। (जासं)

वेंडिंग मशीन का वितरण

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से चलाए जा रहे महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अंतर्गत सोमवार को मोहनलालगंज एवं निगोहां के 12 और सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में सेनेटरी वेंडिंग मशीन व इंसीनरेटर वितरित किए गए। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि मासिक धर्म को बोझ की तरह नहीं लेना चाहिए।

जून में शुरू होंगे शोध मेधा छात्रवृत्ति के आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही शोध मेधा छात्रवृत्ति योजना के दूसरे चरण की शुरुआत करेगा। इसके अंतर्गत प्रतिभाशाली पीएचडी छात्राओं को छात्रवृत्ति की सुविधा दी जाएगी। योजना का लाभ देने के लिए जून के पहले सप्ताह में आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। चयनित छात्राओं को प्रति माह पांच हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय ने सत्र 2021-22 में प्रतिभाशाली महिला शोधार्थियों को शोध कार्यों में बढ़ावा देने के उद्देश्य से शोध मेधा छात्रवृत्ति की शुरुआत की थी। अब उसके दूसरे चरण के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसमें नेट और गेट (ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग) उत्तीर्ण होने के साथ-साथ लवि से पीएचडी में पंजीकृत छात्राएं ही आवेदन करने के लिए पात्र होंगी। उन्हें कोई अन्य छात्रवृत्ति या फेलोशिप भी न मिल रही हो। चयनित छात्राओं को अधिकतम तीन साल तक छात्रवृत्ति के रूप में पांच हजार रुपये प्रति माह दिया जाएगा।

एक से शुरू होंगी सुपर 30 की कक्षाएं

जासं, लखनऊ : लविके वाणिज्य विभाग की ओर से नेट-जेआरएफ की फ्री तैयारी के लिए सुपर-30 की कक्षाएं एक जून से शुरू होंगी। सोमवार को विभाग ने इसकी विस्तृत समयसारिणी जारी कर दी। कक्षा का समय सुबह 10 से 11 तथा 11 से दोपहर 12 बजे तक रहेगा। विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि विभाग नेट जेआरएफ प्रतियोगी परीक्षा के लिए सुपर-30 की कक्षाएं निर्धारित समय के अनुसार लगेंगी। प्रतिदिन दो घंटे का शिक्षण कार्य होगा।

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

लविवि ने चलाया महिला स्वास्थ्य जागरुकता अभियान

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार के नेतृत्व में महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तृतीय दिवस पर लविवि की ओर से मोहनलालगंज एवं निगोंहां के सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। स्वंय सेवा के समन्वयक प्रो. रूपेश कुमार ने बताया कि यह मशीने छात्राओं के जीवन को आसान, सुरक्षित एवं विद्यालय प्रांगण को स्वच्छ रखने में सहायता करेंगी। जागरूकता अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। डॉ. अल्का मिश्रा एवं डॉ. ज्योत्सना सिंह ने भी छात्राओं से बात कर उनको इस सामाजिक, मानसिक वर्जना से बाहर निकलने में सहायता की। लखनऊ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय स्वयं सेवा के छात्रों द्वारा शिक्षाप्रद नुक्कड़ नाटक का सफल मंचन कार्यक्रम में उपस्थित छात्र एवं छात्राओं के समक्ष किया। कार्यक्रम में अब तक लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार के नेतृत्व में लगभग 800 छात्राओं और 22 ग्रामीण विद्यालयों में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया जा चुका है। प्रो. पूनम टण्डन ने कहा कि मासिक धर्म महिलाओं के स्वस्थ जीवन का एक अभिन्न अंग है और छात्रों या लोगों को मासिक धर्म को एक बोझ की तरह नहीं लेना चाहिए और न ही उसके कारण अपने जीवन में किसी तरह के मानसिक वर्जना एवं रूढ़ीवादिता को जगह देनी चाहिए।

THE PIONEER PAGE 3

Varsity students on visit to tribal villages of Sonbhadra

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University students pursuing PG in Anthropology have recently ventured on a 15-day field visit to the tribal villages of Sonbhadra district in Uttar Pradesh under the guidance of the head of the department. The site has been chosen due to its importance in the representation of UP's tribal scenario. Being the only district in India that shares its border with four states, Sonbhadra has 17 ethnic groups added to the Scheduled Tribe's list by the Government of India.

"Since the present literature on this area and its people is negligible, the students have ventured into this area in a positive attempt to give reports about policy matters and ethnographic data. The critical importance of this study is reflected by the fact that this area has been riddled with Naxalite activities before and has even been considered a red corridor area by the government," LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

Being the first university at the national level to implement the New Education Policy-2020, LU has introduced a compulsory dissertation paper in the fourth semester of the post-graduation curriculum.

"This shift is one among many measures taken for the uplift of the university's Anthropology course. It will help students be prepared and capture extensive ethnographic data to elicit a variety of information and their accurate interpretations. It will not only enrich the students but also help shed light on the plight of the excluded and under-represented tribals," Srivastava said.

He added that the team comprising 25 students has taken up diverse topics, including documentation of social institutions, food habits, folk songs, infrastructure, political participation, ethnomedicine, status of women, and impact of development projects and globalisation. "The team not only aims to find novel, historical and comparative data that may indicate cultural evolution and migratory patterns, but also extract the opinions, problems and attitudes of the tribal people, and provide this information to the government. The students are also taking measures to make these isolated people aware of the ongoing government schemes benefitting the tribals. In doing this, they hope to fulfill their roles as prospective social doctors and ethnographers so that the good people of Sonbhadra may have increased employment opportunities and lead better lives," the spokesperson said.

LU gets ₹5-crore grant for interdisciplinary research

Lucknow (PNS): Lucknow University has received a grant of Rs 5 crore for Interdisciplinary Life Science Advance Research and Education under the DBT-BUILDER Programme of Department of Biotechnology, New Delhi.

The programme is for five years and the major objective is to promote interdepartmental cross-talk. The grant is intended to invigorate interdisciplinary modern bioscience research by upgrading the post-graduate teaching in Molecular and Human Genetics, Environmental Science and Pharmaceutical Chemistry.

There are three proposed interdisciplinary research groups — Molecular and Human Genetics, Environment & Sustainable Agricultural Biotechnology, Natural Products and Steroidal Chemistry. The proposal was reviewed by lead researchers of the country who found it impressive with the investigators having the experience and potential to achieve the objectives. "The present proposal involves the expertise in molecular genetics, plant biotechnology and drug development, for contributing to human and environmental health. In the proposed study, an attempt will be made to identify tumour stage-specific genetic and epigenetic signatures, synthesis and formulation of anti-cancer nano-drugs using phytocompounds, naturally occurring flavonoids, steroids and heterocyclic derivatives. These nano-drugs will be tested for anti-cancer activities on cervical cancer cell lines and their impact on genetic and epigenetic regulation will be evaluated. Further, biotechnology approaches will be implemented for sustainable agricultural reforms by combining plant growth promoting bacteria and biologically synthesised nanoparticles," Lucknow University spokesperson Durgesh Srivastava said.

Apart from upgrading the teaching and research, seminars and training workshops will be organised for MSc, PhD students to encourage interdepartmental interactions on research methodologies. "This interdisciplinary programme between the life science departments — Botany, Chemistry and Zoology — at LU will be the first of its kind in the state of Uttar Pradesh," he said.

PIONEER PAGE 3

एलयू को लाइफ साइंस प्रोग्राम के लिए 5 करोड़ की वितीय सहायता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के द्वारा 5 वर्षीय डीबीटी यूनिवर्सिटी इंटरडिसिप्लिनरी लाइफसाइंस डिपार्टमेंट फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च कार्यक्रम के तहत 5 करोड़ की वितीय सहायता की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना प्रमुख उद्देश्य मॉलिक्युलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स, एनवायरमेंटल साइंस तथा फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री में परास्नातक विषयों के शैक्षणिक उन्नयन एवं शोध विकसित करना है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

पांच करोड़ से रिसर्च को लगेंगे पंख

लविवि को इंटरडिसिप्लिनरी लाइफ साइंस प्रोग्राम फॉर एडवांस रिसर्च एंड एजुकेशन के लिए 5 करोड़ की मिली वित्तीय सहायता राशि

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय को जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के माध्यम से पांच वर्षीय डीबीटी-यूनिवर्सिटी इंटरडिसिप्लिनरी लाइफ साइंस डिपार्टमेंट फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय को शोध के लिए 5.0 करोड़ की वित्तीय सहायता दी गई है।

इस परियोजना का उद्देश्य मॉलिक्युलर एंड ह्युमन जेनेटिक्स, एनवायरमेंटल साइंस तथा फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री में परास्नातक विषयों के शैक्षणिक उन्नयन एवं शोध विकसित करना है। इस परियोजना में तीन अंतर-विषय वैज्ञानिक समूह हैं, आण्विक एवं मानव आनुवंशिकी है, पर्यावरण और सतत कृषि जैव प्रौद्योगिकी तथा प्राकृतिक उत्पाद एवं स्टेरॉयडल केमिस्ट्री है। विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक राय ने बताया कि इस प्रस्ताव पर देश के प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा समीक्षा की गई थी। जिसके बाद ये स्वीकृति प्रदान की गई।

इन विषयों पर होगा अध्ययन: स्वीकृत प्रस्ताव में मानव और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में योगदान के लिए आणविक आनुवंशिकी और औषधि विकास में विशेषज्ञता शामिल है। प्रस्तावित अध्ययन में, प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले फ्लेवोनोइड्स, स्टेरॉयड और हेट्रोसायक्लिक डेरिवेटिव्स का उपयोग करके ट्यूमर चरण-विशिष्ट आनुवंशिक और एपिजेनेटिक हस्ताक्षर, संश्लेषण और एंटीकैंसर नैनो-दवाओं के निर्माण की पहचान का प्रयास किया जाएगा।

सर्वाइकल कैंसर सेल लाइनों पर होगा शोध

इन नैनो-दवाओं का सर्वाइकल कैंसर सेल लाइनों पर कैंसर विरोधी गतिविधियों के लिए परीक्षण किया जाएगा और आनुवंशिक और एपिजेनेटिक विनियमन पर उनके प्रभाव का मूल्यांकन किया जाएगा। इसके अलावा, जैविक रूप से संश्लेषित नैनोकणों और बैक्टीरिया को बढ़ावा देने वाले पौधों की वृद्धि को मिलाकर स्थायी कृषि सुधारों के लिए जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण लागू किया जाएगा। अनुदान के माध्यम से पर्यावरण विज्ञान, फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान, आणविक एवं मानव आनुवंशिकी में स्नातकोत्तर शिक्षण के उन्नयन के माध्यम से अंत:विषय आधुनिक जैव विज्ञान अनुसंधान को मजबूत किया जायेगा।

TOI PAGE 2

LU UG entrance likely in mid-July

Test Papers To Have 100 Multiple Choice Questions; No Negative Marking

Times News Network

TEST RULES
- The entrance test will be **multiple-choice based**
- **100 objective-type** questions will be asked
- Each question will carry **2 marks**
- There will be **no negative marking**
- The duration of the entrance test is **90 minutes** for **all programmes**

Lucknow: The entrance test for admission in undergraduate professional and non-professional courses of Lucknow University is likely to be held by mid-July.

The admission windows for undergraduate courses will close on Tuesday.

The entrance test for various courses is likely to be held for around a week during which test of one or two UG courses can be held in a single day. The UG courses will be of four years as per the New Education Policy adopted by LU last year.

LU will conduct Undergraduate Entrance Test (UGET) for admission to BA, BSc, BCom and other non-professional courses, while for professional courses like BBA, BBA(IB), BBA(MS), BBA(Tourism) and BCA, students shall be admitted as per marks obtained in the Undergraduate Professional Entrance Test (UGPET) 2022.

"Last year, the admission was delayed by around two months due to pandemic, so this year admission team is putting in extra efforts to complete UG admissions by July so that the session 2022-23 can start timely," said an official. He said entrance tests of professional and non-professional courses will be conducted simultaneously and since the entrance test is multiple choice-based, evaluation of copies won't take much time.

"The entrance test will have 100 questions. Each question will be of two marks and there will be no negative marking," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

The entrance of BA will include questions from Hindi, English, geography, history, civics, psychology, and economics (10+2 level). BCom and BCom (H) entrance will be of mental ability, commerce, accounting, commercial Maths, economics, and computer, in BSc (Maths) questions will be of physics, chemistry, mathematics, mental aptitude, and computer applications.

MISSION ADMISSION
BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP